



**RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH
INSURANCE REPOSITORIES TO OFFER ELECTRONIC
INSURANCE POLICIES**

MEDIA COVERAGE REPORT

MAHARASHTRA


COVERAGE SYNOPSIS

RLI-ELECCTRONIC INSURANCE POLICIES COVERAGE DETAILS

PUNE

S.No.	Publications	Language	Circulation	Date
1.	Financial Express	English	7500	28/11/2013
2.	HBL	English	10932	02/12/2013
3.	HBL	English	10932	02/12/2013
4.	Navbharat	Hindi	154680	29/11/2013
5.	Aaj Ka Anand	Hindi	90000	06/12/2013
6.	Kesari	Marathi	52132	02/12/2013
7.	Samana	Marathi	55000	12/12/2013
8.	Bharat Dairy	Hindi	30000	30/11/2013
9.	Sonari Maharashtra	Marathi	18500	13/12/2013
10.	Pune Satta	Marathi	15000	03/12/2013
11.	Lokmanthan	Marathi	35896	18/12/2013
TOTAL			480572	


PUNE MEDIA COVERAGE

Publication	The Financial Express	
Date	28 th November, 2013	
Page No	08	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE TIES UP WITH FIVE INSURANCE REPOSITORIES	



Reliance Life ties up with five insurance repositories

Reliance Life Insurance on Wednesday said it has joined hands with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form. Reliance Life Insurance has tied up with five insurance repositories — Database Management, Central Insurance Repository, SHCIL Projects, CAMS Repository Services and Karvy Insurance — to enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat form.


Publication	Hindu Business Line	
Date	2 nd December, 2013	
Page No	01	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE TIES UP WITH REPOSITORIES	



BANKING

Reliance Life ties up with repositories

Reliance Life Insurance Company has tied with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form across all its products. The IRDA has approved five companies as insurance repositories. This tie-up will enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat form.>>Page 5

Publication	Hindu Business Line	
Date	2nd December, 2013	
Page No	05	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

THE HINDU Business Line

AHMEDABAD • BANGALORE • CHENNAI • COIMBATORE • HUBLI • HYDERABAD • KOCHI • KOLKATA • KOZHIKODE • MADURAI • MANGALORE • MUMBAI • NOIDA • THIRUVANANTHAPURAM • TIRUCHIRAPPALLI • VIJAYAWADA • VISAKHAPATNAM

Reliance Life ties up with five insurance repositories

Want customers to shift policies to demat form

Our Bureau

New Delhi, Dec. 1

Reliance Life Insurance Company (RLIC) has tied with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form across all its products.

The Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA) has approved five companies — Database Management Ltd, Central Insurance Repository Ltd, SHCIL Projects Ltd, CAMS Repository Services Ltd and Karvy Insurance Ltd — as insurance repositories (IRs).

This tie-up will enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat form.

RLIC is amongst the few private insurers to offer policyholders the option to hold their insurance policies in electronic

form. "We are happy to offer insurance policies in electronic form for our customers. The initiative is aimed at complementing the regulator's efforts to save hundreds of crores spent on printing, dispatching and storing insurance policies by the industry," said Anup Rau, Chief Executive Officer, RLIC.

This green initiative will make it easier for the customers to buy and monitor multiple life insurance policies in a single demat account, he added.

A policyholder can choose to open an e-insurance (EI) account with any one of the five approved insurance repositories by providing their KYC (know-your-customer) documents, which include address and identity proof, and so on.

Thereafter, the policyholder would be allotted a unique EI


account number and will have the choice to dematerialise existing policies in the EI account.

The electronic insurance account will eliminate repetitive KYC requirements and provide one view of policies, premium paid and claim history and nominee details and bring in all the benefits of demat to the life insurance business, including automatic reminders for premium.

RLIC would encourage its over nine million customers to convert their insurance policies from physical format to demat form.

Dematerialisation of policies will bring greater transparency and convenience to customers and it will also help reduce cost in issuing and maintaining life insurance policies, Rau said.

srivats.kr@thehindu.co.in


Publication	Navbharat	
Date	29 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Pune	
Headline	NOW INSURANCE POLICY IN DEMAT ACCOUNT BY RELIANCE LIFE	

नवभारत

अब बीमा पॉलिसी डीमैट खाते में देगी रिलायंस लाइफ

मुंबई, का.सं. निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जीवन बीमा पालिसी प्रदान करने के लिए सभी पांच बीमा रिपॉजिटरी के साथ गठजोड़ किया है।

रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस ने 5 बीमा रिपॉजिटरी डाटाबेस मैनेजमेंट लि., सेंट्रल इंश्योरेंस रिपॉजिटरी लि., एसएचसीआईएल प्रोजेक्ट्स लि., कैम्स रिपॉजिटरी सर्विसेज और कार्वी इंश्योरेंस के साथ गठजोड़ किया है ताकि पालिसीधारकों को अपनी बीमा पालिसी डीमैट के रूप में रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके. बीमा नियामक इरड ने इन सभी पांचों कंपनियों को बीमा रिपॉजिटरी के तौर पर मंजूरी दी है.

Publication	Aaj Ka Anand	
Date	6 th December, 2013	
Page No	06	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE INSURANCE OFFER TO ELECTRONIC POLICY-ANUP RAU	

आज का आनंद

रिलायंस इंश्योरेंस इलेक्ट्रॉनिक पॉलिसी देगा : अनूप राव

पुणे, 6 दिसंबर (आ.प्र.)

रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (आरएलआईसी) अब अपने हर कस्टमर को पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक शेष में देगी. कंपनी के सीईओ अनूप राव ने कहा कि इसके लिए पांच कंपनियों को इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने टाईअप के लिए चुना है. ये कंपनियां हैं. डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इंश्योरेंस रिपॉसिटरी लिमिटेड, एसएचसीआईएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉसिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कार्वी इंश्योरेंस लिमिटेड.

श्री राव के अनुसार ग्राहकों को पॉलिसी डीमैट फार्म में लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा. इलेक्ट्रॉनिक फार्म में पॉलिसी देने से कागज, प्रिंटिंग, डाक, पॉलिसी स्टोरेज आदि पर होने वाला भारी खर्च बचाया जा सकेगा और पॉलिसी लंबे समय तक सुरक्षित भी रहेगी. इसके लिए पॉलिसी धारक को उपरोक्त पांच कंपनियों में से किसी एक में अपना ई-इंश्योरेंस एकाउंट खुलवाना होगा. उसे बाद में ई-एकाउंट नंबर दिया जाएगा. वह सुविधा रहेगी कि वह इस एकाउंट में पॉलिसी का विलय कर ले.


Publication	Kesari
Date	2 nd December, 2013
Page No	02
Edition	Pune
Headline	RELIANCE LIFE OFEER ELECTRONIC INSURANCE POLICY

RELIANCE
Life Insurance



रिलायन्स लाईफच्या पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात


पुणे : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध केल्या. ही घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटीद्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटर्इज म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस, सीएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस आणि केव्ही इन्शुरन्स या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा कंपनीने करून दिली.

Publication	Samana	
Date	12 th December, 2013	
Page No	06	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	



रिलायन्स लाइफ इन्शुरन्सची रिपॉझिटरीसोबत भागीदारी

रिलायन्स लाइफ इन्शुरन्स कंपनीने तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहेत. आयआरडीएद्वारे पाच कंपन्यांना आयआर म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देण्यात आली असल्याचे कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी सांगितले.

Publication	Bharat Dairy	
Date	30 th November, 2013	
Page No	03	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES TO OFFER ELECTRONIC INSURANCE POLICIES	

पुणे का तेजी से बढ़ता हिन्दी दैनिक **भारत डायरी**

रिलायन्स लाईफ इन्श्योरेन्स ने इलेक्ट्रॉनिक रूप में इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ किया करार


नई दिल्ली, २७ नवंबर, (भा.प्र.): रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लाईफ इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड ने आज, पांच इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ अपने करार की घोशणा की। कम्पनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी।

यह घोशणा आज यहाँ रिलायन्स लाईफ इन्श्योरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनूप राव ने की। बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने आज

पांच कम्पनियों को बीमा रिपोजिटरी (RIR) के रूप में मंजूरी दी। ये कम्पनियाँ हैं- डेटाबेस मैनेजमेन्ट लिमिटेड, सेन्ट्रल इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी लिमिटेड, 'भारत' प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, गड्डे, रिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कारवी इन्श्योरेन्स लिमिटेड। इस करार के माध्यम से कम्पनी अब अपनी सभी इन्श्योरेन्स पॉलिसियों को डीमैट रूप में उपलब्ध कराएगी। कम्पनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा

पॉलिसियाँ लेकर आई है।

“हमें खुशी है कि हम हमारे उपभोक्ताओं के लिए यह नई सेवा पेश करने जा रहे हैं। बीमा उद्योग पॉलिसियों की प्रिन्टिंग एवं स्टोरिंग में करोड़ों रूपए खर्च करता है। ऐसे में यह ग्रीन पहल इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि की बचत तो करेगी ही, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए भी बीमा सेवाओं को आसान एवं सुविधाजनक बना देगी। क्योंकि उन्हें अब अपनी सभी जीवन बीमा पॉलिसियाँ एक ही डीमैट अकाउन्ट के रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी।” श्री राव ने बताया।


Publication	Sonari Maharashtra	
Date	13 th December, 2013	
Page No	08	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

सोनेरी महाराष्ट्र

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची आता इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी

मुंबई, २०१३: रिलायन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने (आरएलआयसी) आज घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व- पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे. ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनुप राव ह्यांनी बुध्ने केली.

इन्शुरन्स रेप्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी (आयआरडीए) द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज (आयआर) म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड. रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उतेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणा-या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे. आमच्या ग्राहकांना विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हांला आनंद होत आहे. ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी डिस्ट्रिब्युशन, पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणा-या कोट्यवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे. ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमॅट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले. ह्या प्रक्रियेप्रमाणे, पॉलिसी धारकांना केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी कोणतीही एक निवडून त्यामध्ये ई- विमा (ईआय) खाते उघडता येईल. केवायसी कागदपत्रांमध्ये पत्ता, ओळखीचा पुरावा आदिचा समावेश असेल. त्यानंतर, पॉलिसी धारकांना एक विशिष्ट ईआय खाते क्रमांक देण्यात येईल आणि त्यांना वर्तमान पॉलिसीज ईआय खात्यामध्ये रूपांतरित करण्याचा पर्याय असेल. इलेक्ट्रॉनिक विमा खात्यामुळे वारंवार घाव्या लागणा-या केवायसी आवश्यकतांची गरज संपेल आणि सर्व पॉलिसीज, भरलेले प्रिमियम, क्लेमच्या आणि नामनिर्देशित व्यक्तीच्या नोंदी एकाच वेळी बघता येतील आणि किमंतचे सर्व लाभ विमा उद्योगामध्येसुद्धा मिळतील ज्याच्यात प्रिमियमच्या ऑटोमेटिक स्मरणाचाही समावेश असेल, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले.

Publication	Pune Satta	
Date	3 rd December, 2013	
Page No	03	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE COMPANY(RLIC),PART OF RELIANCE CAPITAL LIMITED ANNOUNCED	

Postal Registration Number PNCW/W-228/2012-2014

पुणे सत्ता


संपादक : नरेंद्र शंकर पारखे

RNI NO. : MAHMAR/2012/413
DECL NO. SDM/PUNE/SR/04/

रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने आरएलआयसी घोषणा केली

मुंबई : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने आरएलआयसी घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व-पाच विमा रिपॉझिबलजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे. ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनुप राव ह्यांनी इथे केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी आयआरडीए द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिबल आयआर म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डायबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिबल लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिबल सर्विसेस लिमिटेड आणि केर्सी इन्शुरन्स लिमिटेड. रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिबलजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणा-या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे. आमच्या ग्राहकांना विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हांला आनंद होत आहे. ह्या पुढेकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी प्रिंशिपल, पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणा-या कोटखवची रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे. ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढेकारामुळे एकाच डिमेंट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले. ह्या प्रक्रियेप्रमाणे, पॉलिसी धारकांना केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिबल कंपन्यांपैकी कोणतीही एक निवडून त्यामध्ये ई- विमा ईआयक खाते उघडता येईल. केवायसी कागदपत्रांमध्ये पत्ता, ओळखीचा पुरावा आदिचा समावेश असेल. त्यानंतर, पॉलिसी धारकांना एक विशिष्ट ईआय खाते क्रमांक देण्यात येईल

आणि त्यांना वर्तमान पॉलिसीज ईआय खात्यामध्ये रुपांतरित करण्याचा पर्याय असेल. इलेक्ट्रॉनिक विमा खात्यामुळे वांस्वार ह्याच्या लागणा-या केवायसी आवश्यकतांची गरज संपेल आणि सर्व पॉलिसीज, भस्लेले प्रिमियम, क्लेमच्या आणि नामनिर्देशित व्यक्तींच्या नोंदी एकाच वेळी बघता येतील आणि डिमेंटचे सर्व लाभ विमा उद्योगामध्ये सुद्धा मिळतील ज्याच्यात प्रिमियमच्या ऑटोमेटिक स्मरणाचाही समावेश असेल, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले. रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स त्याच्या नव्वद लाख ग्राहकांना त्यांच्या विमा पॉलिसीज कागदपत्रांच्या स्वरूपातून डिमेंट स्वरूपात रुपांतरित करण्यासाठी प्रोत्साहन देईल.

Publication	Lokmanthan	
Date	18 th December, 2013	
Page No	03	
Edition	Pune	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE COMPANY(RLIC),PART OF RELIANCE CAPITAL LIMITED ANNOUNCED	

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे अनोखी पॉलिसी

पुणे: रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी पाच विमा रिपॉझिबिलिटीजसोबत भागीदारी करून सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध केल्या. ही घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट अॅथॉरिटीद्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिबिलिटीज म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे. डाटाबेस मॅनेजरमेंट, सेट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिबिलिटी, एसएचसीआयल प्रोजेक्ट्स, सीएमएस रिपॉझिबिलिटी सर्व्हिसेस आणि केव्ही इन्शुरन्स या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिबिलिटीजसोबत भागीदारी करून पॉलीसीधारकांना त्यांच्या पॉलीसीज डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा कंपनीने करून दिली.


NAGPUR MEDIA COVERAGE

COVERAGE SYNOPSIS

RLI-ELECCTRONIC INSURANCE POLICIES COVERAGE DETAILS

NAGPUR

S.No.	Publications	Language	Circulation	Date
1.	Deshdoot Times	English	39924	28/11/2013
2.	Lokmat Times	English	15373	28/11/2013
3.	Navbharat	Hindi	233341	29/11/2013
4.	Sakal	Marathi	77660	
5.	Rashtradoot	Hindi	38000	30/11/2013
6.	Vidarbh Ki Baat	Hindi	35553	28/11/2013
7.	Maha Vidarbha	Marathi	49033	29/12/2013
8.	Yugdharma	Hindi	25422	02/12/2013
9.	Mahasagar	Marathi	26351	06/12/2013
10.	Kesari	Marathi	24132	02/12/2013
11.	Yuvarashtra Darshan	Marathi	25255	09/12/2013
12.	National Sandesh	Hindi	34649	03/12/2013
13.	Gaurav Garima	Hindi	20943	03/12/2013
TOTAL			645636	

Publication	Deshdoot Times	
Date	28 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Nagpur	
Headline	RLIC TIES UP WITH REPOSITORIES	



Reliance Life ties up with five insurance repositories

NEW DELHI : Private insurer Reliance Life Insurance Company (RLIC) said it has join hands with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form, reports said.

Reliance Life Insurance has tied up with five insurance repositories -- Database Management Limited, Central Insurance Repository Limited, SHCIL Projects Limited, CAMS Repository Services Limited and Karvy Insurance Limited -- to enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat


form. The Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA) has approved all these five companies as Insurance Repositories (IR).

"We have tied up with all insurance repositories to offer insurance policies in electronic form for our customers," Reliance Life Insurance CEO Anup Rau said. "This green initiative will make it easier for the customers to buy and monitor multiple life insurance policies in a single demat account," he added.

According to IRDA, insurers

can enter into agreements with one or more repositories. The objective of creating an insurance repository is to provide policy holders the facility to keep insurance policies in electronic form.

"Dematerialisation of policies will bring greater transparency and convenience to customers and it will also help reduce cost in issuing and maintaining life insurance policies. More importantly, it will also ease the problem of customer-contactability, which is a huge challenge faced by the industry," he added.

Publication	Lokmat Times	
Date	28 th November, 2013	
Page No	09	
Edition	Nagpur	
Headline	RLIC TIES UP WITH REPOSITORIES	

Lokmat Times



Publication	Navbharat
Date	29 th November, 2013
Page No	07
Edition	Nagpur
Headline	NOW INSURANCE POLICY IN DEMAT ACCOUNT BY RELIANCE LIFE


RELIANCE

Life Insurance

नवभारत

बीमा पालिसी डीमैट में देगी रिलायंस लाइफ

निजी क्षेत्र की प्रमुख बीमा कंपनी रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जीवन बीमा पालिसी प्रदान करने के लिए सभी पांच बीमा रिपाजिटरी के साथ गठजोड़ किया है. रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस ने 5 बीमा रिपाजिटरी डाटाबेस मैनेजमेंट लि., सेंट्रल इंश्योरेंस रिपाजिटरी लि., एसएचसीआईएल प्रोजेक्ट्स लि., कैम्स रिपाजिटरी सर्विसेज और कार्वी इंश्योरेंस के साथ गठजोड़ किया है ताकि पालिसीधारकों को अपनी बीमा पालिसी डीमैट के रूप में रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके.


Publication	Sakal	
Date	29 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	



रिलायन्सची विमा 'रिपॉझिटरी' सोबत भागीदारी

नागपूर, ता. २८ : रिलायन्स कॅपिटलच्या रिलायन्स लाइफ इन्शुरन्स कंपनीने आपल्या सर्व उत्पादनांसाठी पाच विमा रिपॉझिटरीसोबत भागीदारीची घोषणा केली. यामध्ये सर्व पॉलिसीधारकांना पॉलिसीज डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देण्यात येणार आहे. रिलायन्स लाइफ इन्शुरन्सचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी ही माहिती दिली.


पॉलिसीधारकांना इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात विमा देणाऱ्या पहिल्या थोडक्याच खासगी विमा कंपन्यांपैकी एक रिलायन्स लाइफ बनली आहे. या प्रक्रियेमुळे पॉलिसीधारकांना केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी एक निवडून त्यामध्ये इ-विमा खाते उघडता येईल. त्यानंतर पॉलिसीधारकांना एक विशिष्ट ईआय खाते क्रमांक देण्यात येईल. त्यांना वर्तमान पॉलिसीज ईआय खात्यामध्ये रूपांतरित करण्याचा पर्याय असणार आहे.

Publication	Rashtradoot	
Date	30 th November, 2013	
Page No	02	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	



रिलायन्स लाईफ का इन्शोरेन्स रिपोजिटरी के साथ करार

रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लीफ इन्शोरेन्स कंपनी ने आज, पांच इन्शोरेन्स रिपोजिटरी के साथ अपने करार की घोषणा की। कंपनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी। यह घोषणा आज यहां रिलायन्स लाईफ इन्शोरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनूप राव ने की। बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने आज पांच कंपनियों को बीमा रिपोजिटरी के रूप में मंजूरी दी। ये कंपनियां हैं - डेटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शोरेन्स रिपोजिटरी लिमिटेड .. प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, रिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कारवी इन्शोरेन्स लिमिटेड। इस करार के माध्यम से कंपनी अब अपनी सभी इन्शोरेन्स पॉलिसियों को डिमैट रूप में उपलब्ध कराएगी। कंपनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा पॉलिसियां लेकर आई है।

Publication	Vidarbha Ki Baat	
Date	28 th November, 2013	
Page No	06	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

विदर्भ की बात

रिलायन्स ने किया इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ करार

शहर प्रतिनिधि

नागपुर, 27 नवंबर। रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स कम्पनी ने पांच इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ अपने करार की घोषणा की। कम्पनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी। यह घोषणा यहां रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनूप राव ने की।




बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आइआरडीए) ने पांच कम्पनियों को बीमा रिपोजिटरी के रूप में मंजूरी दी। ये कम्पनियां हैं- डेटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड, सेन्ट्रल इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी लिमिटेड एसएचसीआइएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड

और कारवी इन्श्योरेन्स लिमिटेड। इस करार के माध्यम से कम्पनी अब अपनी सभी इन्श्योरेन्स पॉलिसियों को डीमैट रूप में उपलब्ध कराएगी। कम्पनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा पॉलिसियां लेकर आई है।

हमें खुशी है कि हम हमारे उपभोक्ताओं के लिए यह नई सेवा पेश करने जा रहे हैं। बीमा उद्योग पॉलिसियों की प्रिंटिंग एवं स्टोरिंग में करोड़ों रुपए खर्च करता है। ऐसे में

यह ग्रीन पहल इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि की बचत तो करेगी ही, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए भी बीमा सेवाओं को आसान एवं सुविधाजनक बना देगी। क्यों कि उन्हें अब अपनी सभी जीवन बीमा पॉलिसियां एक ही डीमैट अकाउंट के रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी। उक्त जानकारी राव ने दी।

Publication	Maha Vidarbha	
Date	29 th November, 2013	
Page No	03	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

लोकांचे दैनिक सकाळ महाविदर्भ

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची आता इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी


मुंबई : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने आज घोषणा केली आहे की कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पालिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे. ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनुप राव ह्यांनी इथे केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी

द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे. डाटाबेस मनेजमेंट लिमिटेड सेटल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस लिमिटेड सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड. रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीसोबत भागीदारी करून पालिसीधारकांना त्यांच्या पालिसीज डीमट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले

आहे पालिसीधारकांना त्यांच्या पालिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणाऱ्या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे. आमच्या ग्राहकांना विमा पालिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हाला आनंद होत आहे ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पालिसी प्रिटिंगवर पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणाऱ्या कोटयवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत

केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी कोणतीही एक निवडून त्यामध्ये ई विमा खाते उघडता येईल केवायसी कागदपत्रांमध्येपत्ता ओळखीचा पुरावा आदिचा समावेश असेल त्यानंतर पालिसी धारकांना एक विशिष्ट इआय खाते क्रमांक देण्यात येईल आणि त्यांना पालिसीज इआय खात्यामध्ये रूपांतरित करण्याचा पर्याय असेल.

करण्याच्या नियमाकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे हा आहे ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमेट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पालिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे असे श्री राव यांनी म्हटले. ह्या प्रक्रियेप्रमाणे पालिसी धारकांना

Publication	Yugdharma	
Date	2 nd December, 2013	
Page No	07	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स ने इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ किया

नई दिल्ली। रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स कम्पनी ने पांच इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी के साथ अपने करार की घोषणा की। कम्पनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी। यह घोषणा यहां रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनूप राव ने की। बीमा विनियामक एवं विकास

प्राधिकरण ने पांच कम्पनियों को बीमा रिपोजिटरी के रूप में मंजूरी दी। ये कम्पनियां हैं- डेटाबेस मैनेजमेन्ट लिमिटेड, सेन्ट्रल इन्श्योरेन्स रिपोजिटरी लिमिटेड, एसएचसीआईएव प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कारवी इन्श्योरेन्स लिमिटेड। इस करार के माध्यम से कम्पनी अब अपनी सभी इन्श्योरेन्स पॉलिसियों को डीमैट रूप



में उपलब्ध कराएगी। कम्पनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा पॉलिसियां लेकर आई है। राव ने

बताया कि बीमा उद्योग पॉलिसियों की प्रिंटिंग एवं स्टोरिंग में करोड़ों रूपए खर्च करता है। ऐसे में यह ग्रीन पहल इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि की बचत तो करेगी ही, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए भी बीमा सेवाओं को आसान एवं सुविधाजनक बना देगी। क्यों कि उन्हें अब अपनी सभी जीवन बीमा पॉलिसियां एक ही डीमैट अकाउंट के रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी।

Publication	Mahasagar
Date	6 th December, 2013
Page No	10
Edition	Nagpur
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES

RELIANCE

Life Insurance

विद्यार्थ्यांच्या मातीतील शिक्षीत, विषयातील

महासागर

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची आता इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी



मुंबई : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने (आरएलआयसी) आज घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व- पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे.

ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनुप राव ह्यांनी इथे केली.

इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी (आयआरडीए) द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज (आयआर) म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड.

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणा-या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे.

आमच्या ग्राहकांना विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हांला आनंद होत आहे. ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी प्रिंटिंगवर, पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणा-या कोट्यवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे. ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमॅट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले.


Publication	Kesari
Date	2 nd December, 2013
Page No	02
Edition	Nagpur
Headline	RELIANCE LIFE OFEER ELECTRONIC INSURANCE POLICY

RELIANCE
Life Insurance



रिलायन्स लाईफच्या पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात

पुणे : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध केल्या. ही घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटीद्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटर्इज म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस, सीएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस आणि केव्ही इन्शुरन्स या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा कंपनीने करून दिली.

Publication	Yuvarashtra Darshan	
Date	9th December, 2013	
Page No	08	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	


दैनिक युवाराष्ट्र दर्शन

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची आता इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी



मुंबई, २०१३: रिलायन्स वेंपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने (आरएलआयसी) आज घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व- पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे. ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनुप राव ह्यांनी इथे केली.

इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी (आयआरडीए) द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज (आयआर) म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस लिमिटेड, सीएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड. रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डीमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणा-या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे. आमच्या ग्राहकांना विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हांला आनंद होत आहे. ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी प्रिंटिंगवर, पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणा-या कोट्यवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे. ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमेंट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले. ह्या प्रक्रियेप्रमाणे, पॉलिसी धारकांना केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी कोणतीही एक निवडून त्यामध्ये ई- विमा (ईआय) खाते उघडता येईल. केवायसी कागदपत्रांमध्ये पत्ता, ओळखीचा पुरावा आदिंचा समावेश असेल. त्यानंतर, पॉलिसी धारकांना एक विशिष्ट ईआय खाते क्रमांक देण्यात येईल आणि त्यांना वर्तमान पॉलिसीज ईआय खात्यामध्ये रूपांतरित करण्याचा पर्याय असेल. इलेक्ट्रॉनिक विमा खात्यामुळे वारंवार द्याव्या लागणा-या केवायसी आवश्यकतांची गरज संपेल आणि सर्व पॉलिसीज, भरलेले प्रिमियम, क्लेमच्या आणि नामनिर्देशित व्यक्तीच्या नोंदी एकाच वेळी बघता येतील आणि डिमेंटचे सर्व लाभ विमा उद्योगामध्येसुद्धा मिळतील ज्याच्यात प्रिमियमच्या ऑटोमेटिक स्मरणाचाही समावेश असेल, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले.

Publication	National Sandesh	
Date	3 rd December, 2013	
Page No	05	
Edition	Nagpur	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

रिलायन्स ने किया इन्श्योरेन्स रिपॉजिटरी के साथ करार

नई दिल्ली, 3 नवंबर. रिलायन्स कैपिटल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स कम्पनी ने पांच इन्श्योरेन्स रिपॉजिटरी के साथ अपने करार की घोषणा की. कम्पनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी.

यह घोषणा रिलायन्स लाइफ इन्श्योरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनूप राव ने की. बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) ने पांच कम्पनियों को बीमा रिपॉजिटरी के रूप में मंजूरी

दी. ये कम्पनियां हैं- डेटाबेस मैनेजमेन्ट लिमिटेड, सेन्ट्रल इन्श्योरेन्स रिपॉजिटरी लिमिटेड, एसएचसीआईएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कारवी इन्श्योरेन्स लिमिटेड.

इस करार के माध्यम से कम्पनी अब अपनी सभी इन्श्योरेन्स पॉलिसियों को डीमैट रूप में उपलब्ध कराएगी. कम्पनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा पॉलिसियां

लेकर आई है. राव ने बताया कि हमें खुशी है कि हम हमारे उपभोक्ताओं के लिए यह नई सेवा पेश करने जा रहे हैं. बीमा उद्योग पॉलिसियों की प्रिंटिंग एवं स्टोरिंग में करोड़ों रुपए खर्च करता है.

ऐसे में यह ग्रीन पहल इतनी बड़ी मात्रा में धनराशि की बचत तो करेगी ही, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए भी बीमा सेवाओं को आसान एवं सुविधाजनक बना देगी क्योंकि उन्हें अब अपनी सभी जीवन बीमा पॉलिसियां एक ही डीमैट अकाउंट के रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी.

Publication	Gaurav Garima
Date	3 rd December, 2013
Page No	08
Edition	Nagpur
Headline	RELIANCE LIFE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES

RELIANCE

Life Insurance



रिलायन्स लाईफ का इन्शोरेन्स रिपोजिटरी के साथ करार


रिलायन्स कॉर्पोरल लिमिटेड की सब्सिडरी रिलायन्स लाईफ इन्शोरेन्स कंपनी ने आज, पांच इन्शोरेन्स रिपोजिटरी के साथ अपने करार की घोषणा की। कंपनी अब अपने सभी उत्पादों की रेंज में जीवन बीमा उत्पादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराएगी। यह घोषणा आज यहां रिलायन्स लाईफ इन्शोरेन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनूप राव ने की। बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने आज पांच कंपनियों को बीमा रिपोजिटरी के रूप में मंजूरी दी। ये कंपनियां हैं - डेटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शोरेन्स रिपोजिटरी लिमिटेड .. प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, रिपोजिटरी सर्विसेज लिमिटेड और कारवी इन्शोरेन्स लिमिटेड। इस करार के माध्यम से कंपनी अब अपनी सभी इन्शोरेन्स पॉलिसियों को डीमैट रूप में उपलब्ध कराएगी। कंपनी ऐसे कुछ निजी बीमा सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो अपने उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में बीमा पॉलिसियां लेकर आई है।

COVERAGE SYNOPSIS

RLI-ELECCTRONIC INSURANCE POLICIES COVERAGE DETAILS

NASHIK

S.No.	Publications	Language	Circulation	Date
1.	Deshdoot Times	English	15668	28/11/2013
2.	Lokmat Times	English	13000	28/11/2013
3.	The Day View	English	8500	29/11/2013
4.	Navbharat	Hindi	75000	29/11/2013
5.	Gavkari	Marathi	75000	01/12/2013
6.	Deshdoot	Marathi	52986	13/12/2013
7.	Kesari	Marathi	36000	02/12/2013
8.	Bharmar	Marathi	9786	13/12/2013
9.	Lokmanthan	Marathi	33146	15/12/2013
Total			319086	

Publication	Deshdoot Times	
Date	28 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Nashik	
Headline	RLIC TIES UP WITH REPOSITORIES	



Reliance Life ties up with five insurance repositories

NEW DELHI : Private insurer Reliance Life Insurance Company (RLIC) said it has join hands with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form, reports said.

Reliance Life Insurance has tied up with five insurance repositories -- Database Management Limited, Central Insurance Repository Limited, SHCIL Projects Limited, CAMS Repository Services Limited and Karvy Insurance Limited -- to enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat


form. The Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA) has approved all these five companies as Insurance Repositories (IR).

"We have tied up with all insurance repositories to offer insurance policies in electronic form for our customers," Reliance Life Insurance CEO Anup Rau said. "This green initiative will make it easier for the customers to buy and monitor multiple life insurance policies in a single demat account," he added.

According to IRDA, insurers

can enter into agreements with one or more repositories. The objective of creating an insurance repository is to provide policy holders the facility to keep insurance policies in electronic form.


"Dematerialisation of policies will bring greater transparency and convenience to customers and it will also help reduce cost in issuing and maintaining life insurance policies. More importantly, it will also ease the problem of customer-contactability, which is a huge challenge faced by the industry," he added.

Publication	Lokmat Times	
Date	28 th November, 2013	
Page No	08	
Edition	Nashik	
Headline	RLIC TIES UP WITH REPOSITORIES	

Lokmat Times

RLIC ties up with repositories

New Delhi: Private insurer Reliance Life Insurance Company (RLIC) on Wednesday said it has joined hands with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form. Reliance Life Insurance has tied up with five insurance repositories — Database Management Limited, Central Insurance Repository Limited, SHCIL Projects Limited, CAMS Repository Services Limited and Karvy Insurance Limited — to enable and encourage policyholders to hold their insurance policies in demat form. IRDA has approved all these five companies as Insurance Repositories


Publication	The Day View	
Date	29 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Nashik	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES TO OFFER ELECTRONIC INSURANCE POLICIES	

Reliance Life Insurance Ties Up With Insurance Repositories To Offer Electronic Insurance Policies

Reliance Life Insurance Company (RLIC), part of Reliance Capital Limited, today announced that the company has tied with all five insurance repositories to provide life insurance policies in electronic form across all its products.

This was announced by Mr. Anup Rau, Chief Executive Officer, Reliance Life Insurance Company, here.

The Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA) has approved five companies - Database Management Limited, Central Insurance Repository Limited, SHCIL Projects Limited, CAMS Repository Services Limited and Karvy Insurance Limited - as Insurance Repositories (IR).


Publication	Navbharat	
Date	29 th November, 2013	
Page No	07	
Edition	Nashik	
Headline	NOW INSURANCE POLICY IN DEMAT ACCOUNT BY RELIANCE LIFE	

नवभारत

अब बीमा पॉलिसी डीमैट खाते में देगी रिलायंस लाइफ

मुंबई, का.सं. निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जीवन बीमा पालिसी प्रदान करने के लिए सभी पांच बीमा रिपॉजिटरी के साथ गठजोड़ किया है।

रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस ने 5 बीमा रिपॉजिटरी डाटाबेस मैनेजमेंट लि., सेंट्रल इंश्योरेंस रिपॉजिटरी लि., एसएचसीआईएल प्रोजेक्ट्स लि., कैम्स रिपॉजिटरी सर्विसेज और कार्वी इंश्योरेंस के साथ गठजोड़ किया है ताकि पालिसीधारकों को अपनी बीमा पालिसी डीमैट के रूप में रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके. बीमा नियामक इरड ने इन सभी पांचों कंपनियों को बीमा रिपॉजिटरी के तौर पर मंजूरी दी है.

Publication	Gavkari	
Date	1 st December, 2013	
Page No	07	
Edition	Nashik	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES TO OFFER ELECTRONIC INSURANCE POLICIES	



रिलायन्सतर्फे इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने विमा पॉलिसी

अन्य पाच इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी

मुंबई । रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनी (आरएलआयसी) आपल्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत असल्याची घोषणा नुकतीच कंपनीच्या वतीने देण्यात आली आहे.


रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी ही घोषणा केली आहे.

इन्शुरन्स रेग्युलरिटी

अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी (आयआरडीए) द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज (आरआर) म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे. यामध्ये डाटाबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस् लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्व्हिसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड यांचा समावेश आहे.

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणाऱ्या पहिल्या थोड्या खासगी विमा कंपन्यांपैकी

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनी आहे. 'पॉलिसीजना डिमेंटमध्ये रूपांतरित केल्यामुळे ग्राहकांना अधिक सुविधा आणि पारदर्शकता मिळेल, असा विश्वास सीईओ राव यांनी व्यक्त केला.

Publication	Deshdoot	
Date	13 th December, 2013	
Page No	12	
Edition	Nashik	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH INSURANCE REPOSITORIES	

नवी आशा नवी दिशा देशदूत

रिलायन्स इन्शुरन्सची रिपॉझिटरीशी भागिदारी

नाशिक । रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने विमा पॉलिसीज देण्यासाठी इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज सोबत भागिदारी केली आहे. कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनूप राव यांनी ही माहिती दिली. डाटाबेस मॅनेजमेंट, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस् लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्व्हिसेस, व केव्ही इन्शुरन्स या पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रेग्युलॅटरी अँड डेव्हलपमेंट ॲटॉरिटीद्वारे रिपॉझिटज म्हणून मान्यता मिळाली आहे. रिलायन्सने सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागिदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज् डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा उपलब्ध करून दिली आहे. त्यांच्या पॉलिसीज् इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणाऱ्या पहिल्या काही मोजक्या खासगी विमा कंपन्यांपैकी रिलायन्स एक ठरली आहे. पॉलिसीधारकांना केवायसी कागदपत्रे देऊन मान्यातप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी कोणत्याही एकाची निवड करून त्यात ई-विमा खाते उघडता येईल. केवायसी कागदपत्रांमध्ये पत्ता, ओळखीचा पुरावा आदींचा समावेश असेल. त्यानंतर पॉलिसीधारकाला एक विशिष्ट ई आय खाते क्रमांक देण्यात येणार असून त्यामुळे वर्तमान पॉलिसीज् ईआय खात्यामध्ये रूपांतरित करण्याचा पर्याय असेल.


Publication	Kesari
Date	2 nd December, 2013
Page No	02
Edition	Nashik
Headline	RELIANCE LIFE OFFER ELECTRONIC INSURANCE POLICY

RELIANCE
Life Insurance



रिलायन्स लाईफच्या पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात

पुणे : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध केल्या. ही घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी केली. इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटीद्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटर्इज म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी, एसएचसीआयएल प्रोजेक्टस, सीएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस आणि केव्ही इन्शुरन्स या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा कंपनीने करून दिली.

Publication	Bhramar	
Date	13 th December, 2013	
Page No	07	
Edition	Nashik	
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH REPOSITORIES	

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची आता इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी



मुंबई : रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीने (आरएलआयसी) आज घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रॉडक्टसाठी सर्व - पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे.

ह्याची घोषणा रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनुप राव ह्यांनी इथे केली.

इन्शुरन्स रेग्युलरिटी अँड डेव्हलपमेंट ऑथरिटी (आयआरडीए) द्वारे पाच कंपन्यांना इन्शुरन्स रिपॉझिटरीज (आयआर) म्हणून मान्यता देण्यात आली आहे: डाटाबेस मॅनेजमेंट लिमिटेड, सेंट्रल इन्शुरन्स रिपॉझिटरी लिमिटेड, एसएचसीआयएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सीएएमएस रिपॉझिटरी सर्विसेस लिमिटेड आणि केव्ही इन्शुरन्स लिमिटेड.

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डीमॅट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे. पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा देणा-या पहिल्या थोड्या खाजगी विमा कंपन्यांपैकी एक आहे.

आमच्या ग्राहकांना विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध देताना आम्हांला आनंद होत आहे. ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी प्रिंटिंगवर, पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणा-या कोट्यवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे. ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमॅट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक सोपे होणार आहे, असे श्री. राव ह्यांनी म्हंटले.

Publication	Lokmanthan
Date	18 th December, 2013
Page No	06
Edition	Nashik
Headline	RELIANCE LIFE INSURANCE TIES UP WITH REPOSITORIES

RELIANCE

Life Insurance

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सची इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी

नाशिक, दि. १८

रिलायन्स कॅपिटल लिमिटेडचा भाग असलेल्या रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्स कंपनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुप राव यांनी घोषणा केली आहे की, कंपनी तिच्या सर्व प्रोडक्टसाठी सर्व पाच विमा रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी करून आता सर्व जीवन विमा पॉलिसीज इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात उपलब्ध करत आहे.

रिलायन्स लाईफ इन्शुरन्सने ह्या सर्व इन्शुरन्स रिपॉझिटरीजसोबत भागीदारी

करून पॉलिसीधारकांना त्यांच्या पॉलिसीज डिमेंट स्वरूपात धारण करण्याची सुविधा व तसे करण्यास उत्तेजन दिले आहे.

ह्या पुढाकाराचा उद्देश ह्या उद्योगात विमा पॉलिसी प्रिंटिंगवर पाठवण्यावर आणि सुरक्षित ठेवण्यावर होणाऱ्या कोट्यवधी रुपयांच्या खर्चाची बचत करण्याच्या नियामकांच्या प्रयत्नांना बळकटी देणे, हा आहे.

ह्या पर्यावरण अनुकूल पुढाकारामुळे एकाच डिमेंट खात्यामध्ये ग्राहकांना विविध विमा पॉलिसीज विकत घेऊन त्यांच्यावर निगराणी करणे अधिक

सोपे होणार आहे

ह्या प्रक्रियेप्रमाणे, पॉलिसी धारकांना केवायसी कागदपत्रे घेऊन मान्यताप्राप्त पाच विमा रिपॉझिटरी कंपन्यांपैकी कोणतीही एक निवडून त्यामध्ये ई-विमा (ईआय) खाते उघडता येईल. केवायसी कागदपत्रांमध्ये पत्ता, ओळखीचा पुरावा, आदींचा समावेश असेल त्यानंतर पॉलिसीधारकांना एक विशिष्ट ईआय खाते क्रमांक देण्यात येईल. आणि त्यांना वर्तमान पॉलिसीज ईआय खात्यामध्ये रूपांतरीत करण्याचा पर्याय असेल.